## M.A. Prev. Sociology (Part- A)

## Paper I (Compulsory Paper)

## Classical Sociological Tradition

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

**Historical Social and Economic Profile of Sociology :-**

Industrial Revolution- Meaning, Characteristic and Impact, Nature and Features of Capitalism, Feudalism System- Europe- Meaning, Feature, Comparison of the Feudal system of Europe and India.

**Auguste Camte:-**

Law of three stages, Hierarchy of Science.

**Karl Marx:-**

Theory of social changes, Dialectical Materialism, Materialistic Interpretation of History, Marx analysis of development and emergence of capitalism, Theory of surplus value, Class struggle and classless society, Alienation and Capitalist society. Factors of Alienation and its impact of society.

**Emile Durkhim :-**

Solidarity or Unity, Theory of Social division of labour, Abnormal forms of division of labour, Theory of Suicide, The concept of Anomie.

**Mahatme Gandhi :-**

Ahinsa, Satyagrah, Theory of Trusteeship

**Books-**

1- Mislut 1966 - The Sociological. Tradition Henchmen Educational Books Ltd., London.
2- Caser, L.A. 1977 Masters of Sociological Theorist, New York. Harcourt Brace pp 43 87, 129-174, 217-260.
3- Higher, Tehn A Mard in, Paper, J. and Sharcok,

एम.ए. पूर्व समाजशास्त्र (भाग– ए)

द्वितीय प्रश्न पत्र (अनिवार्य प्रश्न पत्र)

समाजशास्त्र में सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

समाजशास्त्रीय सिद्धांत :–

अर्थ एवं परिभाषा, प्रकृति, समाज शास्त्रीय सिद्धांतो का विकास, प्रकार, समाजशास्त्रीय सिद्धांतो का उपयोग, सिद्धांतिकरण के विभिन्न स्तर, समाजशास्त्र के सैद्धांतिक निर्माण की समस्या, सिद्धांत एवं अनुसंधान के बीच परस्पर संबंध।

सामाजिक संरचना :–

अर्थ एवं परिभाषा
सामाजिक संरचना पर रेडक्लिफ ब्राउन के विचार,
सामाजिक संरचना पर नैडल के विचार,
भूमिका विश्लेषण की समस्या – एस.एफ.नैडेल।

संरचनात्मक प्रकार्यवाद एवं नव प्रकार्यवादः–

स्पेन्सर का प्रकार्यवाद,
रेडक्लिफ ब्राउन का प्रकार्यवाद,
पारसंस का संरचनात्मक प्रकार्यात्मक दृष्टिकोण,
मर्टन का संरचनात्मक प्रकार्यवाद,
जे. अलेक्जेन्डर का नव प्रकार्यवाद।

संरचनावाद एवं उत्तर संरचना वाद :–

संरचनावाद– अर्थ एवं प्रकृति,
संरचनावाद पर लेवी स्ट्रॉस के विचार।
उत्तर संरचनावाद– अर्थ एवं प्रकृति,
उत्तर संरचनावाद पर फोकाल्ट के विचार।

<u>संदर्भ–ग्रंथ</u> :–

1. Advances Sociological theory and Methodology, Edited by - K. Knorr - Cetina and A.V. Cicou
2. Modern Social Theories by & Charles P. Loomis & Zona K Loomis Toranto. New York Research.
3.उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत, दोषी एवं त्रिवेदी, रावत प्रकाशन जयपुर
4. समाजशास्त्र का सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य, रवीन्द्रनाथ मुखर्जी, विवेक प्रकाशन नई दिल्ली
5. समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत डॉ. एम.एम. लवानिया एवं शशि जैन, रिसर्च पब्लिकेशन जयपु
6. समकालिन समाजशास्त्रीय सिद्धांत, गुप्ता एवं शर्मा, साहित्य भवन आगरा

M.A. Prev. Sociology (Part- A)

Paper II (Compulsory Paper)

Theoritical Perspective in Sociology

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

**Sociology Theory:-**

Meaning and Definition, Nature, Development of Sociological theories, Type, Uses of Sociological theories, Level of theorization, Problems of theory building in Sociology, Relationship between theory and research.

**Social Structure:-**

Concept and definition,

Views of Radcliffe- Brown on Social structure.

Views of Nadel on Social structure ,

The problem of role analysis- S.F. Nadel

**Structural Functionalism & Neo- Functionalism:-**

Functionalism of Herbert Spencer

Functionalism of Redcliffe Brown,

Parson's Structural Functional approach,

Merton's Structural Functionalism.

Neo Functionalism of J. Alexander.

**Structuralism and Post Structuralism :-**

Meaning and nature of Structuralism,

Views of Lavi Strauss on Structuralism,

Meaning and nature of Post Structuralism.

Views of M. Foucault on Post Structuralism.

**Books-**

1. Advances Sociological theory and Methodology, Edited by - K. Knorr - Cetina and A.V. Cicourel.
2. Modern Social Theories by & Charles P. Loomis & Zona K Loomis Toranto. New York & Research.
3.उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत, दोषी एवं त्रिवेदी, रावत प्रकाशन जयपुर
4. समाजशास्त्र का सैद्धांतिक पश्चिक्षय, रवीन्द्रनाथ मुखर्जी, विवेक प्रकाशन नई दिल्ली
5. समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत डॉ. एम.एम. लवानिया एवं शशि जैन, रिसर्च पब्लिकेशन जयपुर
6. समकालिन समाजशास्त्रीय सिद्धांत, गुप्ता एवं शर्मा, साहित्य भवन आगरा

# समाजशास्त्र सेमेस्टर प्रथम

## एम.ए. पूर्व समाजशास्त्र (भाग– ए)
## तृतीय प्रश्न पत्र (अनिवार्य प्रश्न पत्र)
## सामाजिक अनुसंधान की विधियां

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

सामाजिक अनुसंधान :–
अर्थ, महत्व उद्देश्य, चरण, प्रत्यक्षवाद, घटनाशस्त्र, प्रतीकात्मक अंतःक्रिया। समाजविज्ञान अनुसंधान के लिए तर्क आगमनात्मक एवं निगमनात्मक पद्धति, सिद्धांत निर्माण।

संकलन के स्त्रोत – प्राथमिक एवं द्वितीयक स्त्रोत

सामाजिक अनुसंधान में वैज्ञानिक पद्धति :– वैषयिकता, उपकल्पना, सामाजिक अनुसंधान एवं गणनात्मक विधियां, शोध प्ररचना, निदर्शन पद्धति, प्रश्नावली निर्माण, साक्षात्कार, अनुसूची, विश्वसनियता एवं वैधता, समाजिक सर्वेक्षण।

सामाजिक अनुसंधान में सांख्यिकी :– प्रयोग महत्व एवं सीमाए, चित्रमय प्रदर्शन एवं बिन्दुरेखीय प्रदर्शन केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप : माध्य, मध्यांक एवं बहुलक

### संदर्भ–ग्रंथ

1- Methods and Techniques of social surveys & Research, Dr. R. Sharma, Rajasthan Publication, Meerut.
2- Advances in Social Theory and Methodology K. Knorr. Cetna and A.V. cicourel.
3- Methods and Techniques of social surveys & Research, Dr. R. Sharma
4. समाजिक अनुसंधान की कार्यविधिकी, हरिश्चन्द श्रीवास्तव, अखिलेश्वर लाल श्रीवास्तव कल्याणी पब्लिकेशन, नई दिल्ली
5. विज्ञानों की शोध पद्धतियां, डॉ. सत्यदेव हरियाणा हिन्दी ग्रंथ अकादमी चन्डीगढ
6. सामाजिक अनुसंधान का प्रणाली विज्ञान, महाजन एवं महाजन विवेक प्रकाशन नई दिल्ली
7. वैज्ञानिक सामाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण के मूल तत्व डॉ. एस.डी. सिंह कमल प्रकाशन, इंदौर

# M.A. Prev. Sociology (Part- A)

## Paper III (Compulsory Paper)

## Methods of Social Research

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

**Social Theory:-**

Meaning, Importance steps, Objective, Positivism, Phenomenology, Symbolic interactionalism, Logic of research in Social science inductive and deductive method, Theory building.

Sources of data collection : Primary and Secondary.

**Scientific Methods in Social Research:-**

Objectivity, Hypothesis, Social Research and Quantitative methods, Research Design. Sampling method, Formation of Questionnaire, Interview, Schedule Reliability and Validity.

**Statistics in Social Research:-**

Application, Importance and Limitations of Statistics, Diagrammatic Presentation and Graphic Presentation.

**Measurement of Central Tendency :**

Mean, Mode and Median.

संदर्भ–ग्रंथ

1- Methods and Techniques of social surveys & Research, Dr. R. Sharma, Rajasthan Publication, Meerut.
2- Advances in Social Theory and Methodology K. Knorr. Cetna and A.V. cicourel.
3- Methods and Techniques of social surveys & Research, Dr. R. Sharma
4. समाजिक अनुसंधान की कार्यविधिकी, हरिश्चन्द श्रीवास्तव, अखिलेश्वर लाल श्रीवास्तव कल्याणी पब्लिकेशन् नई दिल्ली
5. विज्ञानों की शोध पद्धतियां, डॉ. सत्यदेव हरियाणा हिन्दी ग्रंथ अकादगी चन्डीगढ़
6. सामाजिक अनुसंधान का प्रणाली विज्ञान, गहाजन एवं गहाजन विवेक प्रकाशन नई दिल्ली
7. वैज्ञानिक सामाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण के मूल तत्व डॉ. एस.डी. सिंह कमल प्रकाशन, इंदौर

# समाजशास्त्र– प्रथम सेमेस्टर

## चतुर्थ प्रश्न पत्र वैकल्पिक प्रश्न पत्र (अ)

## भारत में ग्रामीण समाज

Max M -80
I.M.- 20
Min M- 28

- ग्रामीण सामाजिक व्यवस्था– उत्पत्ति, विकास, भारतीय ग्रामीण व्यवस्था

  भारतीय ग्रामीण सामाजिक संरचना

- ग्रामीण मूल अवधारणाएं– कृषक समाज, लघु समुदाय, लोकसंस्कृति
- ग्रामीण शक्ति संरचना– नेतृत्व– इसके परिवर्तित प्रतिमान
- कृषक संबंध– परम्परागत एवं समकालीन
- भारत में ग्रामीण प्रक्रियाएं– स्थानीयकरण, सार्वभौमिकीकरण, संस्कृतिकरण, लघु एवं वृहत परम्परा

**Reference Books-**


1. Desai, A. R. (1977), Rural Sociology in India, Popular Prakashan Mumbai.
2. Dhanagare, D.M. (1988), Peasant movement in India, OUP New Delhi.
3. Andre Beteille (1974), 6 Essays in Comparative in Sociology, Oxford New Delhi.
4. Joshi, P.C. (1976), Land Reforms in India Live, New Delhi.
5. Thorner, D. (1956), The Agrarian Prospects in India, University Press, New Delhi.

समाजशास्त्र– प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र वैकल्पिक प्रश्न पत्र– (अ)

## नगरीय समाजशास्त्र

Max M -80
I.M.- 20
Min M- 28

- नगरीय समाजशास्त्र– अवधारणा एवं नगरीय अध्ययन का महत्व, नगरीय समुदाय तथा नगरीय जीवन के स्थानीय आयाम।
- नगरीय समाज का वर्गीकरण– नगर का विकास और प्रकार, मूलभूत अवधारणाएं– कस्बा, नगर और महानगर, औद्योगीकरण की अवधारणा।
- भारत में नगरीकरण– नगरीकरण की उभरती प्रवृत्ति, नगरीकरण का प्रभाव, नगरीय संस्कृति।
- नगरीकरण के बदलते प्रतिमान– बदलता व्यवासायिक ढांचा और इसका सामाजिक स्तरीकरण पर प्रभाव : परिवार, जाति वर्ग एवं लिंग।
- नगरीकरण की समस्याएं– मादक द्रव्य व्यसन, मद्यपान, वैश्वावृत्ति, मलिन बस्तियां, भ्रष्टाचार, साइबर अपराध।

**Reference Books-**


1. Bose, A. (1978), Studies in India, Urbanization (1901-1971) Tata McGraw Hill
2. Gold, Harry (1982), Sociology of Urban Life, Prentice Hall, Eaglewood.
3. Collin, Worth, J.B. (1972) Problem of Urban Society Volume II, George and Unwind Ltd.
4. Bhardwaj, R.K. (1974), Urban Development in India, National Publishing House.
5. Ronan Paddison (2001), Hand Book of Urban Societies, Sage India

# Sociology I Semester

## Paper IV (Optional Paper) (A)

## Urban Sociology

Max M -80
I.M.- 20
Min M- 28

- Urban Sociology- Concept, Importance, Urban Community and Spatial Dimensions of Urban Life.
- Classification of Urban Society- Origin and Types of Cities, Basic Concepts- Town, City and Metropolis, Concept of Industrialization.
- Urbanization in India- Emerging trends of Urbanization, Impact of Urbanization, Urban Culture.
- Changing Pattern of Urbanization- Channing occupational structure and its impact on Social Stratification- Caste, Class, Gender, Family.
- Problem of Urbanization- Drug, Alcoholism, Prostitution, Slums, Corruption, Cyber Crime.

**Reference Books-**


1. Bose, A. (1978), Studies in India, Urbanization (1901-1971) Tata McGraw Hill
2. Gold, Harry (1982), Sociology of Urban Life, Prentice Hall, Eaglewood.
3. Collin, Worth, J.B. (1972) Problem of Urban Society Volume II, George and Unwind Ltd.
4. Bhardwaj, R.K. (1974), Urban Development in India, Nationai Publishing House.
5. Ronan Paddison (2001), Hand Book of Urban Societies, Sage India.

एम.ए.पूर्व समाज शास्त्र (भाग– बी)
प्रथम प्रश्न पत्र (अनिवार्य प्रश्न पत्र)
उत्कृष्ट समाजशास्त्रीय परंपराएं

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

इमाईल दुर्खीम :– धर्म का सिद्धांत, सामूहिक प्रतिनिधित्व की धारणा, समाजशास्त्र को पद्धतिशास्त्र का योगदान– सामाजिक तथ्यों का विचार।

मैक्स वेबर :– सामाजिक क्रिया का सिद्धांत, आधुनिक पूंजीवाद का विश्लेषण, सामाजिक परिवर्त्तन में विचारों एवं मूल्यों की भूमिका, प्रोटेस्टेन्ट धर्म एवं पूंजीवाद।

सत्ता की अवधारणा – प्रशासन की विधियां, उत्तराधिकार के तरीके। नौकरशाही का सिद्धांत। आदर्श प्रारूप की अवधारणा।

विलफेडो पैरेटो :– वैचारिक पृष्ठभूमि, पद्धतिशास्त्रीय योगदान, तार्किक प्रयोगात्मक पद्धति, तार्किक एवं अतार्किक क्रियाओं का वर्गीकरण, भ्रांत तर्क एवं अवशेष का सिद्धांत, अभिजात वर्ग का परिभ्रमण।

संदर्भ ग्रंथ–

1- Karl marx, Selected works. Two volumes, International Publishers Newyork.
2- Karl Marx, Das Capitals, Three volumes.
3- Marx and Engels. The German Ideology. New York.
4- Durkheim, essays on Morals and Education.
5- Durkein on Religion Edited W.S.f. Rickering.
6- Suicide A study in Sociology. Emile durkheim.
7- Max weber - Essays in Sociology, 1946.
8- Homans and curtis. An Introduction to Pareto, New York.
9- Pareto Mind and Society, New York.
10-प्रमुख समाज शास्त्रीय विचारक काम्ट से मर्टन तक दोषी एवं त्रिवेदी सवत पब्लिकेशन जयपुर एवं नई दिल्ली

## M.A. Prev. Sociology (Part- B)

## Paper I (Compulsory Paper)

## Classical Sociological Tradition

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 24

**Emile Durkheim :-**

Theory of Religion, Concept of Collective representation, Contri bution of methodology to Sociology- Analysis of Social Facts.

**Max Weber:-**

Theory of Social Action, Analysis of Modern Capitalism, Role of Ideas and Values in Social Change, Protestant- Religion and Capitalism, Concept of Authority methods and administration, Process of Hierocracy, Theory of Bureaucracy, Concept of Ideal type.

**Wilfredo Pareto:-**

Ideological Background, Phenomenon logical contribution, Logical Experimen tal Science, Classification of Logical and Non Logical Actions, Theory of Residues and Derivation, Characteristics of the Elite.

**Books Sugg.-**

1- Karl marx, Selected works. Two volumes, International Publishers Newyork.
2- Karl Marx, Das Capitals, Three volumes.
3- Marx and Engels. The German Ideology. New York.
4- Durkheim, essays on Morals and Education.
5- Durkein on Religion Edited W.S.f. Rickering.
6- Suicide A study in Sociology. Emile durkheim.
7- Max weber - Essays in Sociology, 1946.
8- Homans and curtis. An Introduction to Pareto, New York.
9- Pareto Mind and Society, New York.
10-प्रमुख समाज शास्त्रीय विचारक काम्ट से मर्टन तक, दोषी एवं त्रिवेदी, रावत पब्लिकेशन जयपुर एवं दिल्ली

# एम.ए.पूर्व समाज शास्त्र (भाग– बी)

## द्वितीय प्रश्न पत्र (अनिवार्य प्रश्न पत्र)

## समाजशास्त्र में सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

संघर्षवादी सिद्धांत :–

अर्थ, परिभाषा, संघर्ष का स्वरूप एवं कारण,
कार्ल मार्क्स का संघर्ष का सिद्धांत,
डेहरनहोर्फ का संघर्ष का सिद्धांत।
संघर्ष का प्रकार्यवादी विश्लेषण – कोजर।
संघर्ष एवं सामाजिक परिवर्तन – कॉलिन्स।

आलोचनात्मक सिद्धांत एवं नव मार्क्सवाद :–

फ्रैंकफर्ट स्कूल,
जीवन संसार एवं व्यवस्था – जे. हैबरमास।
संरचनात्मक मार्क्सवाद – एल. अलथूसर।

अंतःक्रियावादी दृष्टिकोण :–

प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद मान्यताएं, अवधारणा – मीड़ एवं ब्लूमर
प्रघटनाशास्त्रीय समाजशास्त्र (पद्धति, अर्थ, परिभाषा) – ए. शूटज,
लोकविधिविज्ञान (अर्थ, परिभाषा, अध्ययन पद्धतियां, विशेषताएं)– एच. गारफीकेल -
उत्तर आधुनिकता (अर्थ, परिभाषा, उत्तर आधुनिक समाज का विशेषताएं, उत्तर आधुनिकता
– एवं आधुनिकता में अंतर, उत्तर आधुनिकतावाद)

<u>संदर्भ–ग्रंथ</u>

1. Advances Sociological theory and Methodology, Edited by - K. Knorr - Cetina and A.V. Cicourel.
2. Modern Social Theories by & Charles P. Loomis & Zona K Loomis Toranto. New York & Research.
3.उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत, दोषी एवं त्रिवेदी, रावत प्रकाशन जयपुर
4. समाजशास्त्र का सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य, रवीन्द्रनाथ मुखर्जी, विवेक प्रकाशन नई दिल्ली
5. समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत डॉ. एम.एम. लवानिया एवं शशि जैन, रिसर्च पब्लिकेशन जयपुर
6. समकालिन समाजशास्त्रीय सिद्धांत, गुप्ता एवं शर्मा, साहित्य भवन आगरा

# M.A. Prev. Sociology (Part- B)

## Paper II (Compulsory Paper)

## Theoritical Perspective in Sociology

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

**Conflict Theories-**

Meaning and Definition of Conflict, Forms and Causes of Conflict,
Conflict theory of Karl Marx,
Conflict theory of Darhrendorf.
Functional Analysis of Conflict- L. Coser
Conflict and Social Change- R. Collins

**The Critical Theory & Neo Marxism:-**

Frankfurt School,
Life World and System : J. Habermas
Structural Maxism- L. Althusser.

**Intractionalist Reflective:-**

Symbolic Introctionalism : Assumptions & Concept- Mead & Blumer.
Phenomenological Sociology (Methods, Meaning, Definition)- A. Schultz,
Ethonomethodology (Meaning, Definition, Method Characteristics)- H. Garfinkel
Post Modernity (Meaning, Definition)
Characterstics of Post Modern Societies,
Difference between Modernity and Post Modernity,
Post Modernism.

**Books Sugg.-**

1. Advances Sociological theory and Methodology, Edited by - K. Knorr - Cetina and A.V. Cicourel.
2. Modern Social Theories by & Charles P. Loomis & Zona K Loomis Toranto. New York & Research.
3.उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत, दोषी एवं त्रिवेदी, रावत प्रकाशन जयपुर
4. समाजशास्त्र का सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य, रवीन्द्रनाथ मुखर्जी, विवेक प्रकाशन नई दिल्ली
5. समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत डॉ. एम.एम. लवानिया एवं शशि जैन, रिसर्च पब्लिकेशन जयपुर
6. समकालिन समाजशास्त्रीय सिद्धांत, गुप्ता एवं शर्मा, साहित्य भवन आगरा

# एम.ए.पूर्व समाज शास्त्र (भाग– बी)
## तृतीय प्रश्न पत्र (अनिवार्य प्रश्न पत्र)
## सामाजिक अनुसंधान की विधियां

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

समाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण :– अर्थ एवं प्रकार, लोकविधि विज्ञान या नृजाति वर्णन

समाजिक अनुसंधान की गुणात्मक विधियां :–

अवलोकन, साक्षात्कार, व्यैक्तिक अध्ययन पद्धति, अंतर्वस्तु विश्लेषण, जीवन इतिहास।

गुणात्मक अनुसंधान में पद्धतिशास्त्रीय बिन्दु :–

गुणात्मक तथ्य के लिये प्रपत्र एवं प्रक्रिया, गुणात्मक अध्ययन में विश्वसनीयता एवं वैधता। सांख्यिकी का प्रयोग

द्वैतियक स्त्रोतों का प्रयोग :– गुणात्मक एवं गणनात्मक पद्धतियों का मिश्रित प्रयोग। सामाजिक अनुसंधान में नैतिक मुद्दे सामाजिक अनुसंधान में कम्प्यूटर का प्रयोग।

सांख्यिकी :– अपकिरण की माप :– प्रमाप विचलन या मानक विचलन

संदर्भ–ग्रंथ :–

1- Methods and Techniques of social surveys & Research, Dr. R. Sharma, Rajasthan Publication, Meerut.

2- Advances in Social Theory and Methodology K Knorr. Cetna and A.V. cicourel.

3- Methods and Techniques of social surveys & Research, Dr. R. sharma

4- समाजिक अनुसंधान की कार्यविधिकी, हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव, अखिलेश्वर लाल श्रीवास्तव कल्याणी पब्लिकेशन, नई दिल्ली

5. विज्ञानों की शोध पद्धतियां, डॉ. सत्यदेव, हरियाणा हिन्दी ग्रंथ अकादमी चन्डीगढ़

6. सामाजिक अनुसंधान की प्रणाली विज्ञान, महाजन एवं महाजन विवेक प्रकाशन नई दिल्ली

7. वैज्ञानिक सामाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण के मूल तत्व डॉ. एस.डी.सिंह कमल प्रकाशन, दौर

# M.A. Prev. Sociology (Part- B)

## Paper III (Compulsory Paper)

## Methods of Social Research

Max. M. 80
L. M. 24
Min M. 28

**Social Research & Survey :-**

Meaning and Classification, Ethnography.

**Qualitative Methods of Social Research-**

Observation, Interview, Case Study Method, Context Analysis, Life History.

**Methodological Points in Qualitative Research:-**

Proforma and Processing :-

Reliability and Validity in Qualitative Research, Use of Statistics

**Use of Secondary Sources :-**

Assimilating Qualitative and Quantitative Methodologies, Ethical Issues in Social Research, Application of Computers in Social Research.

**Books Sugg.-**

1- Methods and Techniques of social surveys & Research, Dr. R. Sharma, Rajasthan Publication, Meerut.

2- Advances in Social Theory and Methodology K Knorr. Cetna and A.V. cicourel .

3- Methods and Techniques of social surveys & Research, Dr. R. sharma

4- सामाजिक अनुसंधान की कार्यविधिकी, हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव, अखिलेश्वर लाल श्रीवास्तव कल्याणी प्रकाशन नई दिल्ली

5. विज्ञानों की शोध पद्धतियां, डॉ. सत्यदेव, हरियाणा हिन्दी ग्रंथ अकादमी चन्डीगढ़

6. सामाजिक अनुसंधान की प्रणाली विज्ञान, महाजन एवं महाजन विवेक प्रकाशन नई दिल्ली

7. वैज्ञानिक सामाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण के मूल तत्व डॉ. एस.डी.सिंह कमल प्रकाशन इंदौर

समाजशास्त्र– द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र वैकल्पिक प्रश्न पत्र (अ)

भारत में ग्रामीण समाज

Max M -80
I.M.- 20
Min M- 28

- ग्रामीण जनसंख्या एवं परिवर्तन– ग्रामीण अर्थव्यवस्था, ग्रामीण सामाजिक स्तरीकरण
- ग्रामीण सामाजिक संस्थाएं– परिवार, जाति व्यवस्था, जाति पंचायत, ग्रामीण शिक्षा
- ग्रामीण परिवर्तन– ग्रामीण भारत में सामाजिक परिवर्तन औद्योगीकरण की समस्याएं एवं भूमिका
- ग्रामीण सामाजिक समस्याएं एवं कृषक असंतोष– निर्धनता, बेरोजगारी, ऋणग्रस्ता, प्रवास
- ग्रामीण विकास एवं योजनाएं– आयोजन, प्रगति, समस्याएं, पंचायती राज

Reference Books-


1. Patel, M.L. (1974), Changing Land Problems of Tribal, Progress Publishers, Bhopal.
2. Desai, A. R. (1979), Rural Society in Transition Popular Mumbai.
3. Andre Beteille (1986), Inequality and Social Change, Oxford New Delhi.
4. Desai, A. R. (2003), Rural Sociology in India, Popular Mumbai.
5. Berdhan, P., Poverty, Agrarian- Structure and Political Economy in India.

## Sociology II Semester

## Paper IV (Optional Paper) (A)

## Rural Society in India

Max M -80
I.M.- 20
Min M- 28

- Rural Demography & Change- Rural Economy, Rural Social stratification.
- Rural Social Institution- Family, Caste System, Caste Panchayat, Rural Education.
- Rural Change- Social change in Rural India, Role and Hurdles of Industrialization.
- Rural Social Problem and Peasant Unrest- Poverty, Unemployment, Indebtedness, Migration.
- Rural Development and Programme- Planning, Progress, Problem, Panchayti Raj.

**Reference Books-**


1. Patel, M.L. (1974), Changing Land Problems of Tribal, Progress Publishers, Bhopal.
2. Desai, A. R. (1979), Rural Society in Transition Popular Mumbai.
3. Andre Beteille (1986), Inequality and Social Change, Oxford New Delhi.
4. Desai, A. R. (2003), Rural Sociology in India, Popular Mumbai.
5. Berdhan, P., Poverty, Agrarian- Structure and Political Economy in India.

# समाजशास्त्र– द्वितीय सेमेस्टर

## चतुर्थ प्रश्न पत्र वैकल्पिक प्रश्न पत्र (ब)

## नगरीय समाजशास्त्र

Max M -80
IM- 20
Min M- 28

- नगर एवं नगरीय आयाम– इमाईल दुर्खीम, कार्लमार्क्स एवं मैक्सवेबर
- नगरीय परिस्थितिकीशास्त्र और इसके सिद्धांत– अवधारणा, विशेषताएं, केन्द्रीय क्षेत्र, पारिस्थितिकी प्रतिमान अथवा सिद्धान्तों का महत्व
- समाजशास्त्रीय विचारक– जार्ज सीमेल– मेट्रोपोलिस, लुइस वर्थ– 'नगरीयता एक जीवन विधि', रेड फील्ड– ग्रामीण–नगरीय सातत्व
- नगरीय समस्याएं– प्रवास, निर्धनता, बेकारी, पर्यावरणीय प्रदूषण
- भारत में नगर नियोजन– नगर नियोजन का अर्थ, उद्देश्य, प्रभाव, नियोजन के कारक, भारत में नगरीय संबंध की समस्याएं एवं कठिनाइयां, भारत में नगर निगम

**Reference Books-**


1. Saunders Peter (1981), Social Theory and Urban Question, Hutchinson.
2. Quinn, J.A. (1955), Urban Sociology, S. Chand & Company, New Delhi.
3. Abrahamson, M. (1976), Urban Sociology, Eaglewood, Prentice Hall
4. Rohan, Paddison (2001), Handbook of Urban Societies, Sage, India.
5. Bhardwaj, R.K. (1974), Urban Development in India, National Publishing House.

# Sociology II Semester

## Paper IV (Optional Paper) (B)

## Urban Sociology

Max M -80
I.M.- 20
Min M- 28

- City and City Dimension- Emile Durkheim, Karl Marx and Max Weber.
- Urban Ecology and its Theory- Concept, Characteristics, Central area and Ecological Patterns or importance of theory.
- Sociological Thinkers- George Simmel- Metropolis, Louis Wirth- 'Urbanism as a way of life', Redfield- Rural-Urban Continuum.
- Urban Problems- Migration, Poverty, Unemployment, Environmental Pollution.
- Urban Planning in India - Meaning of Urban Planning, Objectives, Impact, Factors of Planning, Urban Management Problems in India and hurdles, Indian Nagar Nigam.

**Reference Books-**


1. Saunders Peter (1981), Social Theory and Urban Question, Hutchinson.
2. Quinn, J.A. (1955), Urban Sociology, S. Chand & Company, New Delhi.
3. Abrahamson, M. (1976), Urban Sociology, Eaglewood, Prentice Hall
4. Rohan, Paddison (2001), Handbook of Urban Societies, Sage, India.
5. Bhardwaj, R.K. (1974), Urban Development in India, National Publishing House.

एम.ए. अंतिम समाजशास्त्र (भाग– ए)
प्रथम प्रश्न–पत्र (अनिवार्य प्रश्न पत्र)
भारतीय समाज का परिप्रेक्ष्य

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

भारतीय समाज की अवधारणा :– संरचना एवं विशेषतायें, वर्ण, आश्रम, कर्म

सांस्कृतिक विभिन्नता के मापन के विभिन्न कारक :– भारत में धार्मिक एवं भाषायी भिन्नता।

भारतीय समाज के केन्द्र के रूप में गांव :– अवधारणा एवं परिवर्तन के कारण
जति व्यवस्था, भारतीय ग्राम

समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली इकाईयां :– औपनिवेशिक भारत में सामाजिक स्थितयां, भारत के संबंध मे औपनिवेशिक नीति, पूर्व व पश्चिम सांस्कृतिक समन्वय

संदर्भ–ग्रंथ :–

1 Sociology of India Society, C.N. Shankarrao, New Delhi
2. Sociology of India, David G Mandelbaum, Popular Publication, Mumbai
3. भारत के लिए समाजशास्त्र, योगेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंघी, इंद्रदेव, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर
4. भारतीय समाज, राम आहूजा, रावत पब्लिकेशन नई दिल्ली
5. भारतीय समाज, के परिप्रेक्ष्य, महाजन एवं महाजन, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली।

## Sociology- III Semester

# M.A. Final Sociology (Part- A)

## Paper I (Compulsory Paper)

## Perspective on Indian Society

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

**Concept of Indian Society :-**

Structure and Characteristics, Verna, Ashram, Karma

**Different Factors for Measuring Cultural Diversities-**

Religious and Linguistic Diversities in India

**Village as a Centre of Indian Society:-**

Concept and causes of change, Caste system, Indian Village.

**Units Representing the Society :-**

Social condition in Colorized India, Colonial Policy in Indian Context, Cultural Assimilation of East and West.

**Books Sugg.-**

1 Sociology of India Society, C.N. Shankarrao, New Delhi
2. Sociology of India, David G Mandelbaum, Popular Publication, Mumbai
3. भारत के लिए समाजशास्त्र, योगेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंधी, इंद्रदेव, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर
4. भारतीय समाज, राम आहूजा, रावत पब्लिकेशन नई दिल्ली
5. भारतीय समाज, के परिप्रेक्ष्य, महाजन एवं महाजन, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम.ए. अंतिम समाजशास्त्र (भाग– ए)

द्वितीय प्रश्न–पत्र (अनिवार्य प्रश्न पत्र)

परिवर्तन एवं विकास का समाजशास्त्र

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

सामाजिक परिवर्तन– अर्थस्वरूप, उदविकास, प्रगति, सामाजिक संरचना में परिवर्तन

परिवर्तन के सिद्धांत– रेखिक, चक्रिय

परिवर्तन के कारक– जनसंख्या, आर्थिक, धार्मिक, प्राणीशास्त्रीय, बायोटेक, इफोटेक एवं मीडिया

समकालीन भारत में सामाजिक परिवर्तन–परिवर्तन की प्रक्रिया, संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण, धर्मनिरपेक्षीकरण

सामाजिक विकास पर परिवर्तित दृष्टिकोण–आर्थिक समृद्धि एवं आर्थिक विकास, मानवीय विकास, सामाजिक विकास

पर्यावरणीय विकास का समीक्षात्मक दृष्टिकोण– पर्यावरणीय विकास के प्रमुख तत्व, विकास के उदार दृष्टिकोण

मार्क्स का विकास एवं अल्पविकास का सिद्धांत।

संदर्भ ग्रंथ :–

1– विकास का समाजशास्त्र–जी.आर. मदन, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली।

2– परिवर्तन एवं विकास का समाजशास्त्र, महाजन एवं महाजन, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली।

3– सामाजिक नियंत्रण एवं परिवर्तन, जी.के. अग्रवाल, साहित्य भवन आगरा।

# Sociology- III Semester

## M.A. Final Sociology (Part- A)

## Paper II (Compulsory Paper)

## Sociology of Change & Development

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

**Social Changes:-**

Meaning and nature, Evolution, Progress change in Social Structure.

**Theories of Change-**

Linear, Cyclic

**Factors of Change:-**

Population, Economic, Religious, Biological, Biotech, Infotech & Media.

**Social Change in Contemporary India :-**

Process of Change, Sanskritization, Westernization, Modernization, Secularism.

**Changed Perspective on Social Development :-**

Economic Growth and Economic Development, Human Development, Social Development

**Critical Perspective of Ecological Development:-**

Major Factors of Ecological Development

Theory of Development and Under Development (Marx)

**Books Sugg.-**

1– विकास का समाजशास्त्र–जी.आर. मदन, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली।

2– परिवर्तन एवं विकास का समाजशास्त्र, महाजन एवं महाजन, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली।

3– सामाजिक नियंत्रण एवं परिवर्तन, जी.के. अग्रवाल, साहित्य भवन आगरा।

समाजशास्त्र सेमेस्टर तृतीय

एम.ए. अंतिम समाजशास्त्र (भाग– ए)

तृतीय प्रश्न–पत्र (अनिवार्य प्रश्न पत्र)

भारत में उद्योग एवं समाज

Max_ M. 80
I_ M. 20
Min M. 28

समाज के औद्योगिक विस्तार पर शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परंपरा :– औद्योगिक समाज विज्ञान का उद्भव एवं विकास। औद्योगिक समाज की विशेषतायें, श्रम विभाजन, नियमहीनता, नौकरशाही, अलगाव

कार्य :– कार्य का अर्थ एवं प्रकिया, कार्य के तकनीक, कार्य और श्रम, कार्य क्षेत्र की संस्कृति, कार्य नीति एवं कार्य में मानवीय संबंध, विविध अध्ययन।

औद्योगिक नियोजन :– अर्थ, उद्देश्य, तकनीक एवं समस्यायें।

उद्योग एवं औद्योगिक कांति :– उद्योग में नेतृत्व। औद्योगिक आवास।

मानव शक्ति एवं नियोजन– भारत में सामाजिक सुरक्षा

संदर्भ–ग्रंथ :–

1 Indiam Sociology – Engene V. Schneider Mcgraw hill London.
2 Labour Problems or developing Economy, Aziz Abdul, Ashish Pub lishing House.
3 समाजकल्याण एवं सुरक्षा, सव्यव्रत विद्धांतलंकार, रंजन प्रकाशन गरह, नई दिल्ली
4 श्रम समस्याऐं एवं समाजिक सुरक्षा, डॉ.एस.सी. सक्सेना, रस्तोगी पब्लिकेशन, मेरठ
5 औद्योगिक समाजशास्त्र, पी.सी.खरे एवं सिन्हा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
6औद्योगिक समाजशास्त्र, डॉ.आर.पी.शर्मा एवं शशि जैन, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर।

## M.A. Final Sociology (Part- A)

## Paper III (Compulsory Paper)

## Industry & Society in India

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

**Classical Sociological Tradition on Industrial Dimensions of Society:-**

Evolution and Development of Industrial Sociology, Characteristics of Industrial Sociology, Division of Labour, Anomie, Bureaucracy, Alienation

**Work-**

Meaning & Process of Action/Work, Technique of work, Work and Labour, Culture of Working Field, Work Policy and Human Relations in Work, Miscellaneous Studies.

**Industrial Planning:-**

Meaning, Objective, Techniques & Problems.

**Industry and Industrial Revolution:-**

Leadership in Industry, Industrial Colony/ Habitat.

**Human Resource & Planning :-**

Social Security in India

**Books Sugg.-**

1 Indiam Sociology – Engene V. Schneider Mcgraw hill London.
2 Labour Problems or developing Economy, Aziz Abdul, Ashish Publishing House.
3 समाजकल्याण एवं सुरक्षा, सव्यव्रत विद्यांतलंकार, रंजन प्रकाशन गरह, नई दिल्ली
4 श्रम समस्याऐं एवं सामाजिक सुरक्षा, डॉ.एस.सी. सक्सेना, रस्तोगी पब्लिकेशन, मेरठ
5 औद्योगिक समाजशास्त्र, पी.सी.खरे एवं सिन्हा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
6औद्योगिक समाजशास्त्र, डॉ.आर.पी.शर्मा एवं शशि जैन, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर।

एम.ए. अंतिम समाजशास्त्र (भाग– ए)
चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
अपराध शास्त्र/लघुशोध प्रबंध

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

अपराधशास्त्र– अपराध पर कानून एवं समाज का दृष्टिकोण, विचलन, अपराध और बाल अपराध।

अपराध के प्रकार – आर्थिक, हिंसक, सफेदपोश अपराध।

अपराध के कारक एवं सिद्धांत– अपराध के सामान्य कारक, शास्त्रीय सिद्धांत, समाजशास्त्रीय सिद्धांत, भौगोलिकवादी सिद्धांत।

अपराध एवं अपराधियों का परिवर्तनशील पार्श्वचित्र– संगठित अपराध, पेशेवर अपराध, अपराधी व्यक्तित्व, महिलाओं एवं बच्चों के विरूद्ध अपराध, सायबर अपराध, भ्रष्टाचार।

समकालिन भारत में अपराधियों का परिवर्तनशील सामाजिक–आर्थिक पार्श्वचित्र।

नोट– इस पेपर के स्थान पर छात्राएं लघु शोध प्रबंध भी ले सकती हैं।

संदर्भ ग्रंथ :–

1– Crime and Criminology, Reid Suetus, llinagse deydan press.
2- Crime in India, Goverment of India.
3– अपराध शास्त्र, डॉ. डी.एस. बघेल, नई दिल्ली।
4– अपराध शास्त्र, अपराधी एवं अपराध शास्त्र, जी.सी. हेलन, जयनाथ प्रकाशन मेरठ।
5– अपराध शास्त्र, डॉ. लवालिया, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर।
6– अपराध शास्त्र, महाजन एवं महाजन विवेक प्रकाशन नई दिल्ली।

## M.A. Final Sociology (Part- A)

## Paper IV (Optional Paper)

## Criminology/Dissertation

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

### Criminology:-

Law and society's view on crime and deviance,
Crime and Juvenile delinquency.

### Classification of Crime:-

Economic Crime,
Violent Crime and
White-Collar Crime.

### Causes of Crime and Theories :-

General causes or factors of crime. Classical Theory, General Theory, Geographical Theory.

### Changing Profile of Criminals and Crime :-

Organised Crime,
Professional Crime,
Criminal Personality,
Crime against women & children,
Cyber Crime,
Corruption.
Changing socio-economic profile of criminals in contemporary India.

**Note- Students can also opt for Dissertation instead of this paper.**

### Books Sugg.-

1. Crime and Criminology, Reid Suetus III inagse Deydan Press.
2- Crime in India Government of India
3. अपराध शास्त्र डॉ.डी.एस.बघेल नई दिल्ली
4. अपराध अपराधी एवं अपराधशास्त्र, श्री सी.हेलन जयनाथ प्रकाशन, मेरठ।
5. अपराध शास्त्र डॉ. लवानिया, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर
6. अपराध शास्त्र महाजन एवं महाजन विवेक प्रकाशन नई दिल्ली

एम.ए. अंतिम समाजशास्त्र (भाग– बी)

प्रथम प्रश्न–पत्र

भारतीय समाज का सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

भारतीय समाज के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य – अर्थ, परिभाषा, विशेषता। समाजशास्त्र के प्रमुख परिप्रेक्ष्य, भारतीय समाजशास्त्र में प्रमुख प्रवृत्तियां

भारत विद्याशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य– जी.एस. घुरिये एवं लुईस ड्यूगो।
संरचनात्मक प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य– अर्थ, आधारभूत मान्यताएं, उपयोगिता, सीमाएं, एम.एन. श्रीनिवास, एस. सी.दुबे।
मार्क्सवाद अथवा संघर्षवादी परिप्रेक्ष्य– अर्थ, परिभाषा, प्रमुख मान्यताएं, समीक्षा, संघर्ष परिप्रेक्ष्य को मार्क्स का योगदान। डी.पी.मुखर्जी, ए.आर.देसाई, राधाकमल मुखर्जी।
सभ्यतामूलक परिप्रेक्ष्य– एन.के.बोस, सुरजीत सिन्हा।
अधिनस्थ परिप्रेक्ष्य– बी.आर. अम्बेडकर, डेविड हार्डिमेन।
सामयिक वाद–विवाद – प्रासंगिकीकरण, देशीकरण, भारत में समाजशास्त्र–विकास में बाम्बे, दिल्ली एवं लखनऊ संप्रदाय का योगदान, जातिवाद, छूआ–छूत, क्षेत्रीयवाद, अल्पसंख्यक एवं जनजातियों की समस्याएं, राष्ट्रीय एकीकरण।

संदर्भ–ग्रंथ :–

1 Sociology of India Society, C.N. Shankarrao, New Delhi
2. Sociology of India, David G Mandelbaum, Popular Publication, Mumbai
3 भारत के लिए समाजशास्त्र, योगेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंघी, इंद्रदेव, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर
4. भारतीय समाज, राम आहूजा, रावत पब्लिकेशन नई दिल्ली
5. भारतीय समाज, के परिप्रेक्ष्य, महाजन एवं महाजन, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली।

## Sociology- IV Semester

### M.A. Final Sociology (Part- B)

### Paper I (Compulsory Paper)

### Perspective on Indian Society

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

**Theoretical Perspective of Society:-** Meaning, Definitions, Characteristics Major perspectives of Sociology, Major Trends in Indian Sociology.

**Indo-logical Prospective-** Ghurye & Louis Dument.

**Structural Functionalism-** Meaning, Basic Assumptions, Utility & Limitations M.N. Srinivasan, S.C. Dubey

**Marxism or Conflict Perspective-** Meaning, Definitions, Main Assumptions, Integration perspective, Critical evolution , D.P. Mukherjee, A.R. Desai, R.K. Mukherjee.

**Civilization Prospective-** Meaning, Definitions, Characteristics, N.K. Bose, Surjit Sinha.

**Subaltern Prospective-** B.R. Ambedkar, David Hardiman.

**Current Debates-** Contextualization, Indigenization, Sociology in India- Contribution of Bombay, Delhi & Lucknow school importance, Castism, Untouchability, Regionalism, Problems of Minorities and Tribal National Integration.

**Books Sugg.-**

1 Sociology of India Society, C.N. Shankarrao, New Delhi

2 . Sociology of India, David G Mandelbaum, Popular Publication, Mumbai

3 भारत के लिए समाजशास्त्र, योगेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंधी, इंद्रदेव, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर

4. भारतीय समाज, राम आहूजा, रावत पब्लिकेशन नई दिल्ली

5. भारतीय समाज, के परिप्रेक्ष्य, महाजन एवं महाजन, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम.ए. अंतिम समाजशास्त्र (भाग– दो)
द्वितीय प्रश्न–पत्र (अनिवार्य प्रश्न–पत्र)
परिवर्तन एवं विकास का समाजशास्त्र

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

परनिर्भरता, विश्व व्यवस्था के सिद्धांत एवं असामान्य विनिमयः–बहुराष्ट्रीय कम्पनीयां, भारतीय समाज की विविधता, विश्व व्यवस्था सिद्धांत, मुक्त बाजार व्यवस्था, पूंजीवाद, समाजवाद एवं मिश्रित अर्थव्यवस्था।

विकास एजेन्सियां :– गांधी का राज्य के प्रति दशष्टिकोण, नई आर्थिक व्यवस्था, गैर सरकारी संगठन।

संस्कृति एंव विकास :– संस्कृति विकास के सहायक के रूप में, विकास एवं परम्पराओं का विस्थापन, लिंग एवं विकास, सामाजिक विकास एव सांस्कृतिक अवरोधक।

विकास एवं भारतीय अनुभव :– पंचवर्षीय योजनायें, आर्थिक सुधारों का परिणाम।

सूचना प्रौद्यौगिकी कांति के सामाजिक प्रभावः– उपयोगिता एवं विस्तार, चुनौतियां।

विकास पर सामाजिक नीति एवं कार्यकम का निर्माणः– विकास की नीति की आवश्यकता, विकास एवं योजना, विकास कार्यकम तथा परियोजना।

वैश्वीकरण की सामाजिक सांस्कृतिक प्रतिकियाः– वैश्वीकरण का प्रभाव, भारत में वैश्वीकरण और उदारीकरण की चुनौतियां

संदर्भ–ग्रंथ :–

1 Social Sciences in a changing society – S.C.Dubey, Lucknow.
2 Science Technological & Social Change, Steven Yearley Unwin Hyman, London.
3 Sociology of Development, Rajendra Pandey, Mittal Publicattion, Delhi.
4 विकास का समाजशास्त्र, जी.आर.मदन, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली
5 परिवर्तन एवं विकास का समाजशास्त्र, महाजन एवं महाजन, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली।
6 सामाजिक नियंत्रण एवं परिवर्तन, जी.के. अग्रवाल, साहित्य भवन आगरा
7 सामाजिक नियंत्रण एवं परिर्तन, पी.सी.खेर

# M.A. Final Sociology (Part- B)

## Paper II (Compulsory Paper)

## Sociology of Change and Development

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

**Dependency, Theory of World system, Unequal exchange-** Multinational Company, Diversity of Indian-Society, Theory of World-system, Open Market system, Capitalism, Socialism & Mixed Economy

**Agencies of Development-**

Gandhi's view about state, New economic system, Non-Governmental Orgnization.

**Culture & Development-**

Culture as a factor of development and factor of displacement of tradition. Development and Displacement of tradition. Sex and development, Social development and cultural impeliments.

**Indian Experiences of Development-**

Five year plans, Consequences of Economic Resource.

**Effect of Information Technology Revolution on Society-**

Utility and Extention : Challanges.

**Formulation of Social policy and programme for development-**

Utility of Development Policy, Development and Planning, Development Programme and Projects.

**Socio-Cultural Consequences-**

Effect of Globlisation, Challanges of Globalisation and Liberalisation.

**Books Sugg.-**


1 Social Sciences in a changing society – S.C.Dubey, Lucknow.
2 Science Technological & Social Change, Steven Yearley Unwin Hyman, London.
3 Sociology of Development, Rajendra Pandey, Mittal Publicattion, Delhi.
4 विकास का समाजशास्त्र, जी.आर.मदन, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली
5 परिवर्तन एवं विकास का समाजशास्त्र, महाजन एवं महाजन, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली।
6 सामाजिक नियंत्रण एवं परिवर्तन, जी.के. अग्रवाल, साहित्य भवन आगरा
7 सामाजिक नियंत्रण एवं परिर्तन, पी.सी.खेर

समाजशास्त्र सेमेस्टर चतुर्थ

एम.ए. अंतिम समाजशास्त्र (भाग– बी)
तृतीय प्रश्न पत्र (अनिवार्य प्रश्न पत्र)
भारत में उद्योग एवं समाज

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

औद्योगीकरण –अर्थ प्रभाव एवं समस्या

सामाजिक संगठन –परिवार, धर्म, जाति, स्तरीकरण, आदत एवं पर्यावरण से संबंधित समस्या ।

संगठन की अवधारणा – औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन, संगठन की संरचना एवं प्रकार्य, प्रबंध एवं प्रबंध के सिद्धांत।

सेवीवर्गीय या कार्मिक प्रबंध।

औद्योगिक संबंध एवं मानवीय संबंध ।

औद्योगिक संघर्ष– कारण एवं परिणाम, संघर्ष का निपटारा, सामूहिक सौदेबाजी।

श्रम संगठन – उत्पत्ति, प्रकार्य एवं औद्योगिक संगठन में भूमिका।

सहभागी प्रबंधन एवं इसके स्वरूप – औद्योगिक समुदाय, श्रम प्रवासिता, बाल एवं महिला श्रम, औद्योगिक नगर, सामाजिक एवं पर्यावरण संबंधी तथ्य।

संदर्भ–ग्रंथ :–

1. Labour Problems or developing Economy, Aziz Abdul, Ashish Publishing House.
2. Industrial Sociology – Engene V.Schneider Mcgraw hill,
3. समाज कल्याण एवं सुरक्षा , सव्यव्रत सिद्धांतलंकार, रंजन प्रकाशन गृह, नई दिल्ली
4. श्रम समस्याएं एवं सामाजिक सुरक्षा, डॉ. एस. सी. सक्सेना, रस्तोगी पब्लिकेशन, मेरठ
5. औद्योगिक समाजशास्त्र, पी. सी. खरे एवं सिन्हा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली
6. औद्योगिक समाजशास्त्र, डॉ. आर. पी. शर्मा एवं शशि जैन, रिसर्च पब्लिकेशन , जयपुर.

## M.A. Final Sociology (Part- B)

## Paper III (Compulsory Paper)

## Industry & Society in India

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

**Industrilization-**

Meaning, Effect & Problems

**Social Organization-**

Family, Religion, Caste, Stratification, Nature and Problems related to environement.

**Concept of Organisation-**

Formal & Informal Organisation, Structure and Functions of Organisation, Management & Theories of Management.

**Personal Management -**

Industrial Relations and Human Relations.

**Industrial Conflict-**

Causes & Effects, Settlement of Disputes; Collective Bargining.

**Trade Union-**

Evolution, Function, Role in Industrial Organisation

**Participatory Management & its form-**

Industrial Community, Immigration of Labour, Child and Women Labour, Industrial Town, Social and Environmental Facts.

**Books Sugg.-**

1. Labour Problems or developing Economy, Aziz Abdul, Ashish Publishing House.
2. Industrial Sociology – Engene V.Schneider Mcgraw hill,
3. समाज कल्याण एवं सुरक्षा , सव्यव्रत सिद्धांतलंकार, रंजन प्रकाशन गृह, नई दिल्ली
4. श्रम समस्याएं एवं सामाजिक सुरक्षा, डॉ. एस. सी. सक्सेना, रस्तोगी पब्लिकेशन, मेरठ
5. औद्योगिक समाजशास्त्र, पी. सी. खरे एवं सिन्हा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली
6. औद्योगिक समाजशास्त्र, डॉ. आर. पी. शर्मा एवं शशि जैन, रिसर्च पब्लिकेशन , जयपुर.

एम.ए. अंतिम समाजशास्त्र (भाग– बी)
चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
अपराध शास्त्र/ लघु शोध प्रबंध

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

दण्ड के सिद्धांत :– प्रतिकारात्मक निरोधात्मक तथ प्रतिरोधात्मक या निंतारणार्थ सिद्धांत।

सुधार एवं इसके स्वरूप :–सुधार का अर्थ एवं महत्व, कारागार आधारित सुधार, समुदाय आधारित सुधार।

बंदीगृह में सुधारात्मक कार्यकम :–शैक्षणिक, मनोवैज्ञानिक, आध्यात्मिक, ध्यान योग, मनोरंजनात्मक

भारत में बंदीगृह का इतिहास :–बंदीगृह संबंधी राष्ट्रीय नीति तथा निजी क्षेत्र का योगदान।

बंदीगृह में सुधार से संबंधित समस्यायें :–प्रशासनिक, अपर्याप्त जेल अधिनियम पुलिस एवं जेल प्रशासन, जेल एवं मानवाधिकार।

जेल प्रबंधन व बंदीगृह के विकल्प :– सीमायें एवं सुधार की संभावनायें प्रोबेशन, पैरोल, खुला बंदीगृह, उत्तर संरक्षण संस्थएं एवं पुर्नवास।

आंतकवाद व नक्सलवाद :– कारण परिणाम व सुझाव छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद कारण परिणाम व सुझाव

नोट :– इस पेपर के स्थान पर लघु शोध प्रबंध लिया जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. Crime and Criminology, Reid Suetus III inagse Deydan Press.
2- Crime in India Government of India
3. अपराध शास्त्र डॉ.डी.एस.बघेल नई दिल्ली
4. अपराध अपराधी एवं अपराधशास्त्र, श्री सी.हेलन जयनाथ प्रकाशन, मेरठ।
5. अपराध शास्त्र डॉ. लवानिया, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर
6. अपराध शास्त्र महाजन एवं महाजन विवेक प्रकाशन नई दिल्ली
7. आर्तकवाद चुनौती और संघर्ष मनोहर लाल बाशम शिवचरण विश्वकर्मा।
8. नक्सलवाद समस्या और समाधान डॉ.वीरेन्द्र सिंह बघेल पब्लिकेशन्सः आत्मारामएंड संस 2011
9. नक्सलवादः एस.के.मिश्रा पब्लिशरः के.डब्लू.पब्लिशर्स प्राइवलिमिटेड
10- Challanges to Indian's Integrity: Terrorism, Casteism, Communalism: by Ved Bhatnagar Rawat Publication 1998.
11. नक्सलवादः कारण समस्या एवं समाधानः मनोज श्रीवास्तव
12. नक्सलवादः उद्भव और विकासः– लालेन्द्र कुमार कुन्दन ।

## M.A. Final Sociology (Part- B)
## Paper IV (Optional Paper)
## Criminology/ Dissertation

Max. M. 80
I. M. 20
Min M. 28

**Theory of Punishment:-**

Reformative Theory, Deterrent Theory, Preventive Theory, Retributive Theory,

**Correction and its Form-**

Meaning and importance of Correction, Prison based correction, Community based correction.

**Correctional Programmes in Prison-**

Educational, Psyehiatric, Psychological, Meditation, Recreational

**History of Prison in India:-**

National Policy regarding Prisions, Contribution of Private sector.

**Problem related to Correctional Programmes in Prisons:-**

Administrative, Inadequate Jail, Inadeqnate Jail Act, Over crowding in Jail, Interaction among Police and Jain Administration, Inadequate Justice, Jail and Human Right.

**Jail Management :-**

Limitation & Prospects of Correction

**Alternatives to Imprisonment :-**

Probation, Parole, Open Prisons,

After Protection/Care Associations and Rehalibitation.

**Terrorism & Naxalism in Chhattisgarh-** Causes, effects and suggestions.

**Note :- Students can opt. for dissertation instead of this paper.**

**Books Sugg.-**

1. Crime and Criminology, Reid Suetus III inagse Deydan Press.
2- Crime in India Government of India
3. अपराध शास्त्र डॉ.डी.एस.बघेल नई दिल्ली
4. अपराध अपराधी एवं अपराधशास्त्र, श्री सी.हेलन जयनाथ प्रकाशन, मेरठ।
5. अपराध शास्त्र डॉ. लवानिया, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर
6. अपराध शास्त्र महाजन एवं महाजन विवेक प्रकाशन नई दिल्ली
7. आतंकवाद चुनौती और संघर्ष मनोहर लाल बाशम शिवचरण विश्वकर्मा।
8. नक्सलवाद समस्या और समाधान डॉ.वीरेन्द्र सिंह बघेल पब्लिकेशन्सः आत्माराम एंड संस 2011
9. नक्सलवादः एस.के.मिश्रा पब्लिशरः के.डब्लू.पब्लिशर्स प्राइवेलिमिटेड
10. Challanges to Indian's Integrity: Terrorism, Casteism, Communalism: by Ved Bhatnagar Rawat Publication 1998.
11. नक्सलवादः कारण समस्या एवं समाधानः मनोज श्रीवास्तव
12. नक्सलवादः उद्भव और विकासः– लालेन्द्र कुमार कुन्दन ।